राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान में हिन्दी सप्ताह आयोजन की रिपोर्ट

(7 से 14 सितम्बर, 1998)

जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान अपनी स्थापना काल से ही अपने संवैधानिक दायित्वो की प्रतिपूर्ति में सदैव अग्रणी रहा है एवम् हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान दे रहा है। इस क्रम में विगत वर्ष ७ सितम्बर से १४ सितम्बर, १९९८ के दौरान संस्थान मे हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया।इस सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगितायोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने बढ-चढ कर भाग लिया।

संस्थान में हिन्दी दिवस समारोह 14 सितम्बर , 1998 को मनाया गया। इस समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डा० सौभाग्य मल सेठ ने की। निदेशक ने द्वीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इसके उपरान्त संस्थान के कर्मचारियों द्वारा जलस्तुति गायन प्रस्तुत किया गया। संस्थान के तत्कालीन हिन्दी अधिकारी श्री मन मोहन कुमार गोयल ने हिन्दी की वर्ष १९९७-९८ की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होने इस विशिष्ट अवसर पर माननीय सचिव (भारत सरकार), ज़ल संसाधन मंत्रालय का संदेश भी पढ कर सुनाया। उनके संदेश का सार था, 'भारत अनेक भाषाओं का विशाल परिवार है लेकिन हिन्दी सभी की मुखिया है तथा इसका संबन्ध सभी भाषाओं से है। अतः हम सबका प्रयास होना चाहिए कि हम तन-मन-धन से हिन्दी की सेवा में जुट जांए। '

समारोह के अध्यक्ष डा० सौभाग्यमल सेठ ने अपने संबोधन में प्रसन्नता व्यक्त की कि इस समारोह में संस्थान के सभी अधिकारी एवं सहकर्मीयों ने बडी संख्या मे उत्साह से भाग लिए। संस्थान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होनें कहा, "हमारे देश में हिन्दी भाषा को कभी थोपने के लिए बल प्रयोग का प्रयास नहीं किया गया। इस भाषा की सरलता के कारण ही इसे सबने मन से अपनाया है। इस अवसर पर उन्होनें संस्थान द्वारा प्रकाशित की गई हिन्दी की वार्षिक पत्रिका "प्रवाहिनी" का विमोचन करते हुए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भूरि-भूरि प्रसंशा की। निदेशक महोदय ने संस्थान के समस्त कर्मचारियो को हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमें सरकारी कार्यो में अनुवाद का सहारा नही लेना चाहिए। मन-मष्तिष्क में उपजे हिन्दी विचारों को यथावत हिन्दी के मूल रूप में ही व्यक्त किया जाना चाहिए, क्योंकि अनुवाद से भाषा की मौलिकता एवं सुन्दरता प्राय: समाप्त हो जाती है। उन्होनें इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि संस्थान में अधिकांश लोगों को हिन्दी का अच्छा ज्ञान है।

हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्म्चारियों एवं अधिकारियो ने बडे ही उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर निम्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया :

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान,रुड़की
हिन्दी दिवस समारोह

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान,रुड़की
हिन्दी दिवस समारोह

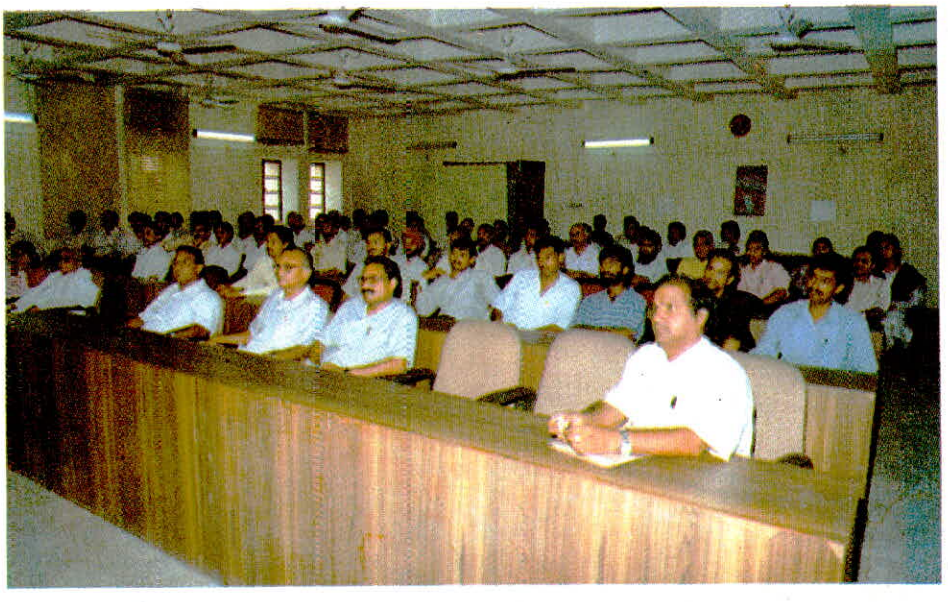

i) अक्षर साफ़्टवेयर

ii) हिन्दी भाषा की विकास यात्रा

सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओ में निम्न्लिखित विजेताओ को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

कविता पाठ प्रतियोगिता

प्रथम	:	श्री दयानन्द
द्वितीय	:	श्री मोहर सिंह
तृतीय	:	श्री पी०के०महापात्रा

टंकण प्रतियोगिता

प्रथम	:	श्री नरेश कुमार
द्वितीय	:	श्री संदीप कुमार
तृतीय	:	श्रीमती किरन आहुजा

तकनीकी परिभाषा प्रतियोगिता

प्रथम	:	श्री तिलकराज सपरा
द्वितीय	:	श्री पंकज गर्ग

निबन्ध प्रतियोगिता

प्रथम	:	श्री तेजपाल सिंह
द्वितीय	:	श्री विनय कुमार श्रीवास्तव
तृतीय	:	श्री अशोक कुमार द्विवेदी

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम	:	श्री पी०के०महापात्रा श्री तिलकराज सपरा, श्री तेजपाल सिंह
द्वितीय	:	श्री सुभाष किचलू, श्री टी० पनिकर, एवं श्री नरेश सैनी
तृतीय	:	श्री पंकज गर्ग, श्री नीरज भटनागर एवम् श्री मनोहर अरोडा

हिन्दी दिवस समारोह के अवसर पर संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये ।

****